शिक्षण पाठ योजना

सेमेस्टर- VII

MJ 19: भारतीय साहित्य एवं संस्कृत साहित्य **व्याख्यान घंटे: 60**

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिमाण निम्नवत होगा :-

1. भारतीय साहित्य के स्वरूप एवं उसकी विशेषताओं से विद्यार्थी परिचित होंगे ।
2. उर्दू साहित्य के संक्षिप्त इतिहास को आसानी से समझ सकेंगे ।
3. बांग्ला साहित्य के संक्षिप्त इतिहास से विद्यार्थी अवगत होंगे ।
4. वैदिक और पौराणिक साहित्य को विद्यार्थी समझ सकेंगे ।
5. संस्कृत नाटक के उद्भव और विकास को समझने में विद्यार्थियों को सरलता होगी ।
6. संस्कृत महाकाव्य के विकास से विद्यार्थी अवगत होंगे ।

क्र . स	विषय और उद्देश्य	व्याख्यान घंटे	कार्यप्रणाली	मूल्यांकन विधि
इकाई-I	भारतीय साहित्य की अवधारणा, भारतीय साहित्य की प्रमुख विशेषताएं, भारतीय साहित्य: राष्ट्रीय एकता का प्रतीक	12 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार
इकाई-II	उर्दू साहित्य : आरंभ और विकास, बांग्ला साहित्य : आरंभ और विकास ।	12 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार
इकाई-III	संस्कृत साहित्य का इतिहास - वैदिक और पौराणिक साहित्य, उपजीव्य महाकाव्य - रामायण और महाभारत।	12 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार

इकाई-IV	संस्कृत नाटक : उद्भव और विकास ,गीतिकाव्य : उद्भव और विकास ,संस्कृत महाकाव्य : उद्भव और विकास आख्यान साहित्य : उद्भव और विकास ।	12 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार
इकाई-V	पूर्वमेध (कालिदास) 1–15 श्लोक, सामान्य परिचय, श्रीमद्भागवतगीता - (वेदव्यास) , अष्टादश अध्याय, सामान्य परिचय ।	12 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आ० बलदेव उपाध्याय शारदा मंदिर, काशी
2. संस्कृत सुकवि समीक्षा आ० बलदेव उपाध्याय चौखंबा द्या भवन वाराणसी ।

- द्वारा तैयार
सुश्री प्रतिमा परधिया